सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 10 • अंक: 86 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, मंगलवार, 30 अप्रैल, 2024

मूल्य ₹ 3/-

अपने आप को खोजने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप अपने आप को दूसरों की सेवा और समर्पण में खो दें।

-इंदिरा गांधी

सॉल्ट और चक्रवर्ती ने दिल्ली को... 7

आंध्र में चुनावी बयार में आई... 3

डिप्रेशन में आ गए हैं बीजेपी ... 2

4PM ने फिर बनाया नया इतिहास

23 करोड़ व्यूज के साथ फिर शीर्ष पर

संपादक संजय शर्मा ने इस उपलब्धि पर पहुंचाने के लिए जनता को दिया धन्यवाद

» लगातार तीसरे महीने देश भर में पहले स्थान पर रहने का बनाया रिकॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपनी बेबाक खबरों से सत्ताधीशों की नींद उड़ाने वाले देश के सबसे लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4PM ने फिर इतिहास बनाया।

चैनल ने लगातार तीसरे महीने देश भर में पहले स्थान को बरकरार रखा है। यह उपलब्धि चैनल ने 23 करोड़ व्यूज हासिल करके प्राप्त की है। इस आयाम को छूने के बाद 4PM ने यह दर्शा दिया है कि आज भी देश में इसकी विश्वसनीयता औरों की आपेक्षा ज्यादा है। उधर इस सफलता पर चैनल के संपादक संजय शर्मा ने सभी व्यूअर्स को आभार व्यक्त किया है।

चैनल का 15 प्रतिशत व्यूज शेयर पर कब्जा

डाटा विंग्स ने अपने ताजा रिपोर्ट में देश के 30 चैनलों के मार्केट शेयर के आंकड़े जारी कर दिए हैं। इसके अनुसार 4PM 234 मिलियन व्यूज व 15 प्रतिशत व्यूज शेयर के साथ सभी दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। डीबी लाइव 176.1 मिलियन व्यू व 11 प्रतिशत शेयर के साथ दूसरे स्थान पर जबकि रविश कुमार 123.2 मिलियन व 8 प्रतिशत शेयर के साथ तीसरे स्थान पर है।

लोकप्रियता में भी नए आयाम गढ़े

लगातार हर रोज नए आयाम जोड़ने के क्रम में जन-जन के प्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम ने फरवरी के महीने में लगभग 15 करोड़ (149.9 मिलियन) व्यूज व 11 प्रतिशत भागीदारी के साथ सभी दिग्गजों को पछाड़ दिया था। इसी के साथ चैनल के सब्सक्राइबरों की संख्या में भी जबर्दस्त उछाल आया था तब उनकी संख्या 36 लाख से ज्यादा पहुंच गयी थी। लोगों के प्यार और सत्ता से सवाल करने की ताकत का ही नतीजा है कि 4PM देशभर में नंबर वन यूट्यूब चैनल बना हुआ है। इन सब उपलब्धियों के पीछे चैनल के प्रमुख व संपादक संजय शर्मा का दूरदर्शी सोच है। अपने बेबाक व विजनरी विचारों के माध्यम से अपनी पूरी टीम को उत्साह से भरकर वह इस चैनल को एक सही दिशा दिखा रहे हैं। तभी तो अब देश के लीडिंग टीवी न्यूज चैनल भी संपादक संजय शर्मा का लोहा मानते हैं।

देश के बाकी राज्यों में भी चैनल की पहुंच

4PM धीरे-धीरे लोकप्रिय होता चला जा रहा है। पहले जहां एक चैनल सिर्फ यूपी में था अब उसकी कई शाखाएं देश के बाकी राज्यों में फैल रही हैं। यहीं नहीं जिन राज्यों में यह चैनल नहीं है वहा भी इसकी मांग बढ़ रही है। यूट्यूब चैनल की पूरी टीम की मेहनत से 4PM एक विशाल पेड़ बनने की ओर अग्रसर है। आज 4PM नेशनल के अलावा 9 राज्यों के क्षेत्रीय चैनल भी हैं। जिनमें 4PM यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, 4PM गुजरात और इसके अलावा 4PM बॉलीवुड का भी चैनल शामिल है।

चैनल के कर्मी भी अच्छे माहौल में करते हैं काम

4PM जहां देश व प्रदेश के बीच पंसद किया जा रहा है वैसे ही यहां पर काम करने वाले कर्मियों में काम करने के अच्छे माहौल से भी काफी पंसदीदा संस्थान है। खुशनुमा माहौल में सभी कर्मी अपने विजनरी संपादक संजय शर्मा के दिशा निर्देशन काम करते हैं। अपने यूट्यब चैनल के इस परचम पर पहुंचने का जश्न भी समय-समय पर सभी कर्मी मनाते रहते हैं। व्यूज हो या सब्सक्राइबर की बढ़ोत्तरी हर बार चैनल के सभी रिपोर्टर, स्क्रिप्ट राइटर, एडिटर, वीडियोग्राफर एक साथ जश्न मनाते हैं। इस खुशी के कार्यक्रम में एडिटोरियल ही नहीं अन्य विभागों के सहकर्मी भी बढ़-चढ़ कर अपनी भागीदारी करते हैं।

सच सामने लाने के जज्बे ने बनाया जनप्रिय

लोगों के प्यार और अपने सच दिखाने के जज्बे की बदौलत 4पीएम लगातार सफलता की सीढ़ियों को चढ़ रहा है और देश में आए दिन अपना परचम फहरा रहा है। जिस समय देश की कथित मेन स्ट्रीम मीडिया सिर्फ सत्ता वंदन में लगी हुई है, ऐसे में 4PM और उसके संपादक संजय शर्मा ने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सत्ता से तीखे सवाल करना जारी रखा और जनता के सामने लगातार सच को दिखाते रहे हैं। आज उसी सच और सत्ता से सवाल करने के हौसले का ही नतीजा है कि 4PM देश भर में अपनी अलग पहचान बना रहा है और बन गया जनता का चहेता। निरंतर अपनी लोकप्रियता में दिन दोगुनी रात चौगुनी बढ़ोत्तरी कर रहा है।

डाटा विंग्स द्वारा जारी किये गये आंकड़ों की सूची

Top Political Commentators on YouTube - Views Market Share (March 2024)

Excl. mainstream media. View count as of Apr 27 for Mar uploaded videos only

databeings

Colors indicate political leaning

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share	Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	4PM	234.0	15%	16	All India News	32.8	2%
2	DB live	176.1	11%	17	Ajit Anjum	31.9	2%
3	Ravish Kumar Official	123.2	8%	18	SPN9NEWS सामाजिक आईना	28.0	2%
4	Abhisar Sharma	110.5	7%	19	The Jaipur Dialogues	26.5	2%
5	NMF News	86.9	6%	20	National Dastak	23.5	2%
6	Online News India	68.2	4%	21	Earth 24	21.9	1%
7	Ulta Chasma uc	57.7	4%	22	KADAK	21.8	1%
8	Dhruv Rathee	52.3	3%	23	Public Views India	21.6	1%
9	The Newspaper	48.3	3%	24	The News	21.2	1%
10	Bharat Samachar	47.6	3%	25	Satya Hindi	21.1	1%
11	Deepak Sharma	46.8	3%	26	Article19India	20.0	1%
12	Pyara Hindustan	42.9	3%	27	The Live Tv	20.0	1%
13	Punya Prasun Bajpai	42.6	3%	28	Public Meter	19.6	1%
14	Headlines India	41.2	3%	29	TNX News	19.5	1%
15	CAPITAL TV	38.9	2%	30	Sakshi Joshi	19.2	1%
					Total	1566.0	100%

Note
1. We have significantly expanded our master list for channel tracking. Top 30 shown here.
2. Added Dhruv Rathee to the list as he posted some videos on politics in March.

thedatabeings.com contact@thedatabeings.com @DataBeings

'डिप्रेशन में आ गए हैं बीजेपी के लोग'

» तेजस्वी यादव बोले- फ्लॉप हो चुकी है 400 की फिल्म

» पूर्व सीएम मांझी पर भी हुए हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने दावा किया कि भाजपा के लोग अवसाद में हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटों के लक्ष्य वाले भाजपा के नारे का संदर्भ देते हुए टिप्पणी की कि फिल्म भी फ्लॉप हो गई है। तेजस्वी यादव ने कहा, 400 की फिल्म फ्लॉप हो चुकी है। बीजेपी के लोग डिप्रेशन में हैं। पूरे देश ने अपना मूड बना लिया है कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। भले ही वह (पीएम मोदी) आएं और जाएं। इसका बिहार में कोई प्रभाव नहीं है। वह आ सकते हैं, धोखा दे सकते हैं, जहरीली बयानबाजी कर सकते हैं और फिर अगले पांच साल के लिए गायब हो सकते हैं।

राजद नेता ने बिहार के पूर्व सीएम और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के संस्थापक जीतन राम मांझी पर भी उनके उस बयान पर तीखा हमला बोला, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनी, तो वह देश को पाकिस्तान के रूप में विभाजित करने का काम करेगी। तेजस्वी ने हमला बोलते हुए कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि वह कितनी जल्दी आरएसएस की भाषा बोलने लगे हैं। तेजस्वी ने कहा, वो भी उसी के रंग में हो गए। मेरी उनके लिए शुभकामनाएं हैं, लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि वह कितनी जल्दी आरएसएस के रंग में रंग गए।

वहीं, तेजस्वी यादव ने मोदी की 'मंगलसूत्र' वाली टिप्पणी को लेकर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि बढ़ती कीमतों के कारण ज्यादातर महिलाएं सोना खरीदने में सक्षम नहीं हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को नोटबंदी के बाद हुई कठिनाइयों और पुलवामा आतंकी हमले और सीमाओं पर चीनी सैनिकों के साथ झड़पों, कोरोना महामारी के दौरान हुई मौतों की भी याद दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को हमें बताना चाहिए कि कोरोना के प्रकोप के दौरान नोटबंदी के बाद, पुलवामा आतंकी हमलों और सीमा पर चीनी सैनिकों के साथ झड़पों में इतनी सारी महिलाओं से मंगलसूत्र छिन जाने के लिए कौन जिम्मेदार है।

जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही भाजपा : सिंघवी

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा है कि इस लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री के बयानों की पिछले 75 वर्षों में कोई तुलना नहीं है लेकिन ये सभी प्रयास निश्चित रूप से विफल होंगे जो भाजपा की हताशा को दर्शाते हैं। सिंघवी ने प्रधानमंत्री के बयान के खिलाफ कांग्रेस की शिकायत पर भाजपा अध्यक्ष को नोटिस भेजने पर निर्वाचन आयोग की भी आलोचना की। कांग्रेस नेता ने सवाल किया, यह एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत है। किसी अन्य व्यक्ति को नोटिस देने का क्या मतलब है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा में नेताओं को लुभाने के लिए 'विटामिन एम' (धन का स्पष्ट संदर्भ) का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने सूरत लोकसभा चुनाव (जहां भाजपा उम्मीदवार ने निर्विरोध जीत दर्ज की), चंडीगढ़ महापौर चुनाव और हिमाचल प्रदेश राज्यसभा चुनाव में हुई घटनाओं का हवाला दिया। यह पूछे जाने पर कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर यह झूठ फैलाने का आरोप लगाया है कि भाजपा अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को समाप्त कर देगी, सिंघवी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कम से कम भाजपा में कोई जवाबदेही, विषयांतर और मिथ्या प्रचार की बात कर रहा है, क्योंकि उसी व्यक्ति ने कुछ हफ्ते पहले बांसवाड़ा और प्रधानमंत्री की अन्य चुनावी रैलियों में इन शब्दों के बारे में बात की होती। सिंघवी ने कहा, आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि भाजपा के लगभग एक-चौथाई उम्मीदवार अन्य दलों से हैं। भाजपा द्वारा घोषित 417 उम्मीदवारों में से 116 दलबदलू हैं। निस्संदेह उनमें से ज्यादातर कांग्रेस से हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दलों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है और उनके द्वारा दर्ज 99.5 प्रतिशत राजनीतिक मामले विपक्षी दलों के सदस्यों के खिलाफ हैं। कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा, भाजपा के पास वॉशिंग मशीन है। अगर कोई आरोपी उस पार्टी में शामिल होता है तो उसे क्लीन चिट मिल जाती है।

मुलायम परिवार से घबराई हुई है भाजपा

» शिवपाल बोले- पूरे यूपी में इंडिया के उम्मीदवारों की जीत होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता एवं विधायक शिवपाल सिंह यादव ने दावा किया कि परिवारवाद को लेकर सपा पर अक्सर हमला करने वाली सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दरअसल मुलायम सिंह यादव के परिवार से घबराई है और उसके नेता इस खानदान के खिलाफ जितना बोलेंगे, लोकसभा चुनाव में सपा की जीत का अंतर उतना ही बढ़ता जाएगा। यादव ने बातचीत में दावा किया कि तीसरे चरण के चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर सपा और 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के उम्मीदवारों की जीत होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह के इस आरोप पर कि सपा के पास जो कुछ भी है वह पार्टी के लिये नहीं बल्कि सिर्फ एक परिवार के लिये ही है, यादव ने कहा, भारतीय जनता पार्टी के लोग नेताजी (सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव) के परिवार से ही तो घबराए हुए हैं। वे नेता जी और हमारे परिवार के खिलाफ जितना ज्यादा बोलेंगे उतना ही सपा प्रत्याशियों की जीत का अंतर बढ़ेगा। लोकसभा चुनाव में पिछली बार के मुकाबले कम मतदान प्रतिशत दर्ज होने के बारे में यादव ने कहा, हमारा मतदाता तो मजदूर और किसान है। उसको धूप और गर्मी से फर्क नहीं पड़ता। हमारा मतदाता तो वोट डाल रहा है। भाजपा का वोट बैंक घर से नहीं निकल रहा है, इसीलिए भाजपा में बहुत घबराहट है।

मुफ्त अनाज योजना बीजेपी का छलावा : मायावती

» बोलीं- गुमराह न हो गरीब जनता, लोगों के पैसे से दिया जाता है अनाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं (उत्तर प्रदेश)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने केन्द्र सरकार की मुफ्त अनाज योजना को छलावा बताते हुए कहा कि जनता इससे प्रभावित न हो क्योंकि यह अनाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जेब से नहीं बल्कि खुद गरीब जनता की गाढ़ी कमाई से दिया जा रहा है।

मायावती ने यहां एक चुनावी जनसभा में जनता को विरोधी पार्टियों के खोखले वादों से आगाह करते हुए भाजपा पर कांग्रेस की ही तरह जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। बसपा प्रमुख ने केन्द्र सरकार की मुफ्त अनाज योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वे (भाजपा नेता) लोगों से कहते हैं कि भाजपा और मोदी ने उन्हें मुफ्त राशन दिया है और उन्हें भाजपा को वोट देकर यह कर्ज चुकाना चाहिए, मगर लोगों को इससे गुमराह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो मुफ्त राशन दिया जा रहा है वह मोदी जी या भाजपा की जेब से नहीं आ रहा है, बल्कि यह कर के रूप में दिये गये आपके ही पैसे से दिया जा रहा है।

बीजेपी बताए जनता उनको क्यों दे वोट: अभय

» कांग्रेस प्रवक्ता ने स्मृति व राजनाथ पर दागे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह व अमेठी से प्रत्याशी स्मृति जूबिन ईरानी ने नामांकन दाखिल कर दिया। अब इन दोनों नेताओं पर कांग्रेस ने सवालों के बौछार किए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने दोनों नेताओं से कई सवाल पूछे और कहा कि उन्हें जवाब देना चाहिए कि जनता उन्हें फिर से क्यों चुने? कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि रक्षा मंत्री बताएं कि भारत की अखंडता से समझौता क्यों किया गया? चीन की सेना लद्दाख में घुसकर बैठी है।

ईरानी अमेठी के अपने पांच काम गिनाएं

हम ठीक से पेट्रोलिंग भी नहीं कर सकते हैं। आपका सांसद सदन में कहता है कि चीन की सेना अंदर आकर गतिविधि कर रही है। चीन ने भूटान में गांव बसा दिया है। आखिर किसकी भूमि पर है। चीन अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों का नाम अपने नक्शे पर बदल दिया है। चीन के सामने चेहरे पीले क्यों पड़ जा रहे हैं। स्मृति ईरानी बताएं कि उन्होंने अपने लिए अमेठी में एक कोठी बनवाने के अलावा क्या किया? वो सिर्फ पांच काम बताएं और चुनाव में जाएं। कांग्रेस ने अमेठी में कई प्लांट और ऑर्डिनेंस फैक्ट्री लगवाई। अस्पताल बनाएं, स्कूल बनाये, सैनिक स्कूल बनाए और ट्रेनिंग सेंटर बनाये। ट्रेन चलाई हैं। भाजपा ने काम तो नहीं किया बल्कि पहले से चल रहे काम को रोकने का काम किया है।

पीएम ने हमारे घोषणा पत्र का खूब प्रचार किया

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि हमारा गारंटी कार्ड पहले चरण में 17 लोकसभा क्षेत्रों (जहां पार्टी चुनाव लड़ रही है) में पहुंच चुका है। अब बचे हुए अन्य लोकसभा क्षेत्रों में भी इसका वितरण कराकर चर्चा तेज की जाएगी। इसी के माध्यम से हम भाजपा के दुष्प्रचार का भी जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि झूठ ही बुनियाद पर ही सही पीएम ने हमारे घोषणा पत्र का खूब प्रचार किया। इसी वजह से लोगों में घोषणा पत्र को जानने की जिज्ञासा हुई। आज देश भर में पहली नौकरी पक्की, पेपर लीक से मुक्ति, श्रम व शक्ति का सम्मान की चर्चा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस दिन से अपना घोषणा पत्र जारी किया है, मोदी, नड्डा और शाह ने किसी भी मंच पर उसकी चर्चा नहीं की है।

अब पूरब में माहौल बनाएंगे अखिलेश-राहुल

» कांग्रेस व सपा की समन्वय समिति करेंगी बैठकें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिम के बाद अब राहुल गांधी व अखिलेश यादव पूरब में इंडिया गठबंधन के लिए माहौल बनाएंगे। इसके लिए वे समन्वय समिति की बैठकों में तेजी लाएंगे। लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है। कांग्रेस को 17 लोकसभा सीटें मिली हैं। चुनाव के दौरान सपा और कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के बीच समन्वय का अभाव दिखा।

इसके कारण समन्वय समिति की बैठकें शुरू की गईं। इनमें कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, महासचिव संगठन अनिल यादव भी मौजूद रहे। जिलेवार चली इन बैठकों का पहले व दूसरे चरण के चुनाव में असर भी दिखा। जिन लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार होने की वजह से सपा नेताओं में उदासीनता थी, वे भी समन्वय समिति की बैठक के बाद सक्रिय हुए। ऐसे में अब पूरब में समन्वय समिति की बैठकें शुरू की जाएंगी। इसके तहत तीन मई को सुल्तानपुर, अमेठी, प्रतापगढ़, कौशांबी और प्रयागराज लोकसभा क्षेत्र में बैठक होगी। चार मई को फूलपुर, मिर्जापुर, भदोही, मछलीशहर और जौनपुर, पांच मई को गाजीपुर, चंदौली, राबर्ट्सगंज और वाराणसी में समन्वय समिति की बैठक में चुनाव की रणनीति बनाई जाएगी।

आंध्र में चुनावी बयार में आई तेजी

वाईएसआर व टीडीपी ने खोला एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा

- घोषणापत्र को लेकर आए आमने-सामने
- चंद्रबाबू के सुपर-6 व जगन का नवा मोसालू पर रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। घोषणा पत्र पर बीजेपी व कांग्रेस के बीच हुई तीखी तकरार के बाद अब आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर तेलगूदेश पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने मोर्चा खोल दिया है। उनके बयान के बाद से सीएम जगमोहन रेड्डी ने पलटवार कर दिया । आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के चुनाव घोषणापत्र पर कटाक्ष करते हुए इसे नवा मोसालु या नौ धोखे करार दिया।

शनिवार को, आंध्र प्रदेश के सीएम और वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी के घोषणापत्र का अनावरण किया, जिसमें कल्याण पेंशन को 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,500 रुपये प्रति माह करने और विशाखापत्तनम (विजाग) को कार्यकारी राजधानी के रूप में प्रस्तावित करने का वादा किया गया। वहीं टीडीपी ने चुनावी वादों की आलोचना करते हुए सीएम जगन ने तर्क दिया कि उनके कार्यान्वयन से राज्य के वित्त पर क्षमता से अधिक दबाव पड़ेगा, उन्होंने चंद्रबाबू नायडू पर जनता को एक बार फिर धोखा देने के लिए सुपर सिक्स और सुपर टेन जैसे वादों के साथ लौटने का आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि टीडीपी की पहल की कीमत चुकानी पड़ेगी। टीडीपी के चुनावी वादों की आलोचना करते हुए, जगन तर्क दिया कि उनके कार्यान्वयन से राज्य के वित्त पर क्षमता से अधिक दबाव पड़ेगा। सालाना 1,21,619 करोड़ रुपये, यह राशि राज्य वहन नहीं कर सकता। इसके जवाब में नायडू ने रेड्डी के 99 प्रतिशत कार्यान्वयन दर के दावे के बावजूद, लोगों के जीवन पर उनके घोषणापत्र के वास्तविक प्रभाव पर सवाल उठाया।

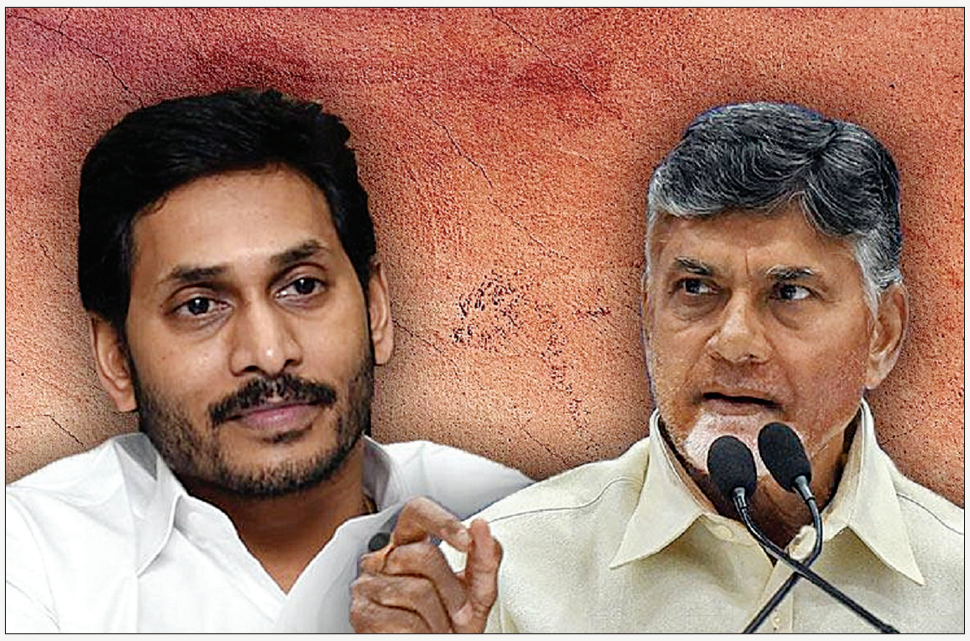

जगन रेड्डी ने जारी किया नौ धोखे वाला पत्र : चंद्रबाबू

टीडीपी प्रमुख ने कुरनूल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सुपर 6 योजनाएं बेहद सफल और व्यापक रूप से प्रशंसित साबित हुई हैं। जगन मोहन रेड्डी की नवरत्न योजनाएँ केवल नवा मोसालू (नौ धोखे) हैं। लोग जगन रेड्डी के घोषणापत्र को शून्य अंक देंगे। जगन रेड्डी के अपने घोषणापत्र को 99 फीसदी लागू करने के दावे के बावजूद क्या लोगों के जीवन में कोई ठोस बदलाव आया है? इसके बजाय, लोगों को कर्ज में डुबो दिया गया है।

विस व लोस चुनावों के लिए दोनों कर रहे प्रचार

13 मई को आंध्र प्रदेश में एक साथ होने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों की अगुवाई में, वाईएसआरसीपी और टीडीपी दोनों सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं, अपनी पार्टी के पक्ष में वोटों को प्रभावित करने के अपने आखिरी प्रयास में मतदाताओं से जुड़ रहे हैं। वाईएसआरसीपी ने 2019 से कुछ बदलावों के साथ अपना नवरत्नालु प्लस घोषणापत्र जारी किया। इसके विपरीत, टीडीपी ने आंध्र प्रदेश के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रस्तावित किया, जिसमें उनके सुपर सिक्स आश्वासनों पर प्रकाश डाला गया, जैसे कि 20 लाख नौकरियों का निर्माण और रुपये का मासिक बेरोजगारी वजीफा यदि वे सत्ता संभालते हैं तो 3,000।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में दिखेगा दिलचस्प मुकाबला

- कभी रहा शिवसेना का गढ़ आज है एआईएमआईएम का मजबूत किला
- उद्धव और शिंदे में आमने-सामने की लड़ाई
- मराठा वोट पर रहेगा दारोमदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर किए जाने के बाद इस सीट पर 13 मई को होने वाला पहला लोकसभा चुनाव होगा। सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस शहर में शिवसेना के दोनों धड़े चाहे नो सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ वाला शिंदे गुट हो या महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के साथ वाली उद्धव सेना दोनों ही नाम बदलने की क्रेडिट वाली लड़ाई में शामिल है। औरंगाबाद का निर्माण 1610 में निजामशाही वंश के मलिक अंबर ने करवाया था। मुगल बादशाह औरंगजेब ने इसका नाम बदलकर औरंगाबाद कर दिया जब उन्होंने इसे अपनी राजधानी बनाया।

शिवसेना के दो प्रतिद्वंद्वी गुट राजनीतिक रूप से बढ़त बनाने की लड़ाई में फंस गए हैं और एआईएमआईएम सीट बरकरार रखने की कोशिश कर रही है। ऐसे में औरंगाबाद लोकसभा चुनाव में दिलचस्प मुकाबला होने जा रहा है। ऐसा राज्य जिसने पिछले पांच वर्षों में काफी राजनीतिक उथल-पुथल देखी है। औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर किए जाने के बाद इस सीट पर 13 मई को होने वाला पहला लोकसभा चुनाव होगा। सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस शहर में शिवसेना के दोनों धड़े चाहे नो सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ वाला शिंदे गुट हो या महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के साथ वाली उद्धव सेना दोनों ही नाम बदलने की क्रेडिट वाली लड़ाई में शामिल है। संभाजीनगर लोकसभा सीट पर कांग्रेस और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की सहयोगी सेना (यूबीटी) ने चार बार के सांसद चंद्रकांत खैरे पर भरोसा जताया है। खैरे 2019 में एआईएमआईएम के इम्तियाज जलील से सिर्फ 4,492 वोटों से हार गए थे। शिंदे सेना ने कैबिनेट मंत्री संदीपनराव भूमरे को मैदान में उतारा है, जो पैठण से विधायक हैं। पैठण पड़ोसी जालना जिले में पड़ता है। औरंगाबाद हवाई अड्डे के बाहर एक फूड स्टॉल चलाने वाली सुजाता बिराद का मानना है कि हर कोई भ्रमित है। इतनी सारी पार्टियाँ और उम्मीदवार हैं और कोई गारंटी नहीं है कि बाद में कौन किसके साथ रहेगा। स्टॉल पर ब्रेड पकोड़ा खा रहे गजानन लांडगे ने अंग्रेजी बेवसाइट इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा कि मराठवाड़ा में इस चुनाव के एक और सत्य की ओर इशारा करते हैं। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि मराठा और ओबीसी किस तरह वोट करते हैं। मराठा आरक्षण विरोध, राज्य सरकार की उन्हें रियायत और ओबीसी को कोटा लाभ में अपना हिस्सा खोने का डर है, जिससे दोनों समुदायों के बीच दरार पैदा हो गई है, जो मराठवाड़ा क्षेत्र में एक प्रमुख मुद्दा होने की उम्मीद है।

उद्धव को मिल सकता है सहानुभूति का फायदा!

एआईएमआईएम के लिए यह एक प्रतिष्ठा की लड़ाई है। औरंगाबाद सीट हैदराबाद के बाहर उसकी पहली चुनावी जीत में से एक रही है। वहीं इस सीट पर दोनों सेनाओं (उद्धव-शिंदे) के लिए भी बहुत कुछ दांव पर है। मुंबई के बाहर बाल ठाकरे के पैर जमाने वाले क्षेत्र में शिवसेना विभाजन के बाद संबंधित गुटों की पहली चुनावी परीक्षा है। शिंदे सेना के उम्मीदवार भुमरे की शुरुआत इस नुकसान से हुई कि उन्हें औरंगाबाद से नहीं होने के कारण बाहरी व्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा, माना जाता है कि राज्य के अन्य हिस्सों की तरह, यहां भी जमीन पर मौजूद सेना कार्यकर्ता या सैनिक उद्धव ठाकरे के साथ हैं। शिंदे द्वारा उद्धव के पिता बाल ठाकरे द्वारा स्थापित पार्टी को विभाजित करने और सेना के 56 में से 40 विधायकों और 19 में से 13 सांसदों के साथ चले जाने के प्रति सहानुभूति है।

शिंदे ने लगाया जोर

खैरे वादा कर रहे हैं कि अगर वह जीते तो बड़े उद्योग लाएंगे और रोजगार पैदा करेंगे। औरंगाबाद के महत्व को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ बातचीत में सीट पाने के लिए लंबी और कड़ी मेहनत की। अब उन्होंने नामांकन दाखिल करने के दिन यहां एक रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने आरक्षण मुद्दे पर अपनी सरकार के प्रति मराठों के गुस्से को शांत करने के लिए भूमरे के लिए समर्थन जुटाने के लिए मराठा नेता विनोद पाटिल से भी मुलाकात की। संयोगवश, पाटिल औरंगाबाद लोकसभा सीट के लिए महायुति का टिकट पाने के इच्छुक थे।

ओवैसी ने पूरी ताकत लगाई

एआईएमआईएम ओबीसी के भीतर दलित और पिछड़े वर्गों के समर्थन को बनाए रखने के लिए भी कड़ी मेहनत कर रही है। ये वोट उसे पिछली बार प्रकाश अंबेडकर के विकास बहुजन अगाड़ी (वीबीए) के साथ गठबंधन के कारण मिला था। इस बार दोनों पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं, साथ ही वीबीए की एमवीए के साथ गठजोड़ की योजना भी विफल हो रही है। शहर के क्रांति चौक पर एक निजी कंपनी में काम करने वाले विश्वजीत मस्के कहते हैं कि उन्हें डर है कि वोट अंततः सांप्रदायिक आधार पर किया जाएगा। दशकों से जल संकट से जूझ रहे हैं, स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री लेकर बिना किसी काम के बेकार बैठे हैं। जब वोट देने की बात आती है, तो लोग अपनी जाति और समुदाय की ओर रुख करते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नेताओं का नैतिक पतन देश के लिए घातक!

दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा के पोते और लोकसभा प्रत्याशी प्रज्वल रेवन्ना की ढाई हजार से ज्यादा सैक्स वीडियो का पता चला है। इनमें दो सौ से ज्यादा विकृत यौन उत्पीड़न के वीडियो हैं। प्रज्वल ने जिन महिलाओं का शोषण किया है उनमें घरेलू कामकाजी महिलाओं से लेकर पार्टी नेता, कार्यकर्ता और हाई प्रोफाइल महिलाएं भी शामिल हैं।

आज राजनीति का कितना पतन हो गया ये देखने को मिला कर्नाटक से।। दरअसल वहां पर पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के पोते उज्ज्वल रेवन्ना के कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न करने के वीडियो सामने आए हैं। सबसे बड़ी बात कि वह जर्मनी भी भाग गया है। हालांकि इस पर जांच कमेटी बना दी गई है। साथ ही रेवन्ना के परिवार ने इसे साजिश करार देकर मामले को दबाने की कोशिश की पर ये उनका अनुचित रवैया है। वहीं सबसे बड़ी विडंबना तो यह है महिलाओं की सम्मान की बात करने वाली बीजेपी की कथनी और करनी में भारी अंतर है। ऐसी चर्चा है कि उन्होंने तो इस आरोपी को विदेश जाने में भी मदद की है। हालांकि बीजेपी ने इसे फर्जी बताया है। पर सच्चाई जो भी हो पर जिस तरह के वीडियो सामने आ रहे हैं और महिलाओं के बयान खुलकर आ रहे हैं उससे सभी हतप्रभ हैं। कभी छोटे से आरोप लगने पर बीजेपी के बड़े नेता इस्तीफा दे दिया करते थे उस बीजेपी में महिला पहलवानों के उत्पीड़न पर चुप रहने के बाद अब कर्नाटक में इतने बड़े सेक्स स्कैंडल में चुप्पी उनकी नीयत पर सवाल उठाती है।

कर्नाटक में देश के सबसे बड़े सैक्स स्कैंडल का खुलासा से बीजेपी व प्रधानमंत्री मोदी के महिला सशक्तीकरण के दावे की पोल भी खोलती है। दरअसल, पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा के पोते और लोकसभा प्रत्याशी प्रज्वल रेवन्ना की ढाई हजार से ज्यादा सैक्स वीडियो का पता चला है। इनमें दो सौ से ज्यादा विकृत यौन उत्पीड़न के वीडियो हैं। प्रज्वल ने जिन महिलाओं का शोषण किया है उनमें घरेलू कामकाजी महिलाओं से लेकर पार्टी नेता,कार्यकर्ता और हाई प्रोफाइल महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक प्रज्वल यौनाचार के वीडियो खुद बनवाता था। एक फरियादिया के सामने आने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कर्नाटक सरकार ने इसकी जांच के लिए एसआइटी गठित कर दी है। प्रज्वल कर्नाटक की हासन सीट से जेडीएस के टिकिट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहा है। जेडीएस और बीजेपी कर्नाटक में मिल कर चुनाव लड़ रहे हैं। जेडीएस एनडीए गठबंधन का हिस्सा है। गत 26 अप्रैल को हासन सीट पर मतदान के बाद अगले ही दिन प्रज्वल जर्मनी भाग गया है। हैरानी की बात ये है कि प्रज्वल को टिकिट देने से पहले ही उसके वीडियो वायरल हो चुके थे। पार्टी की स्थानीय इकाई ने शीर्ष नेतृत्व को आगाह भी किया था। बीजेपी नेतृत्व को भी इस कांड के बारे में जानकारी थी फिर भी उसे लोकसभा का टिकिट दिया गया। प्रज्वल के पिता विधायक हैं और चाचा एच डी कुमारस्वामी कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे हैं। कुल मिलाकर नेताओं का चारित्रिक पतन देश के लिए घातक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संकेत समझ भावनात्मक मुद्दों का सहारा

राजेश रामचंद्रन

लंबी चलने वाली लोकसभा चुनाव प्रक्रिया में, अब जबकि दूसरे चरण का मतदान पूरा हो चुका है, अहसास होने लगा है कि माहौल पहले जैसा हो चला है। भाजपा पुन: ध्रुवीकरण के पैंतरे पर लौट चुकी है और लगता है हमेशा की तरह विपक्ष भी खुद को गिरहों में बांध रहा है- वही जाना-पहचाना किंतु दुखद चुनावी तमाशा। सवाल जिसका उत्तर पाने की अपेक्षा है वह यह कि क्योंकर प्रधानमंत्री मोदी 21 अप्रैल को बांसवाड़ा की चुनावी रैली में मुस्लिम फैक्टर घसीट लाए? और यह करने का ढंग कैसा रहा- इस भाषण में घुसपैठिए, मंगलसूत्र और 'वे जो ज्यादा बच्चों वाले हैं' जैसे तमाम संदर्भ उन्होंने दे डाले। अब, जबकि इस चुनावी भाषण की चीरफाड़ और विश्लेषण यह समझने के लिए हो रहा है कि विकास से हटकर नफरत, अंतरिक्ष यान की उपलब्धि की बजाय संप्रदाय विशेष का हौवा खड़ा करना, बड़ी आकांक्षाओं की बात करने के बजाय सतही भाषा के स्तर पर उतर आने के पीछे कारण क्या है।

क्या यह चुनावी वक्त का भय है? क्या विपक्षी दल मजबूत हो रहे हैं और भाजपा पर वजूद का संकट बन आया है? किसी राजनीतिक दल के लिए हालात मुश्किल बनते देख अपने सुरक्षित पाले में वापस घुसना सामान्य है। अतएव, आसान आकलन यह है कि 19 अप्रैल के पहले चरण के मतदान के प्रतिशत और मतदाताओं के मिजाज ने भाजपा और संघ परिवार के नेतृत्व को फिक्रमंद कर डाला है, उनके पास फिर से धार्मिक पत्ता खेलने का एकमात्र विकल्प बचा। प्रधानमंत्री मोदी को 20 अप्रैल को नागपुर रुकना था। क्या आरएसएस नेतृत्व ने उन्हें हकीकत से अवगत करवाया? राजनीतिक बिसात को बूझने के कयासों में इस किस्म के सवाल उभर रहे हैं, क्या भाजपा के लिए हालात मुश्किल हो रहे हैं? लेखक 20 अप्रैल के दिन ऊधमपुर में मौजूद था, जहां पर भाजपा प्रत्याशी डॉ. जितेन्द्र सिंह के समक्ष पिछली दफा की अपेक्षा मुकाबला कहीं कड़ा है। भाजपा के खिलाफ मुस्लिम मतदाताओं की लामबंदी मजबूत दिखाई दी।

गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का प्रत्याशी मैदान में होने से मुस्लिम वोटें बंटने का असर क्या रहा, इसके लिए चुनाव परिणामों का इंतजार करना पड़ेगा। यदि भाजपा के विरुद्ध मुस्लिम समुदाय की लामबंदी पूर्ण रूपेण है और हिंदू प्रतिक्रिया ढीली-ढाली- इससे

बांसवाड़ा में मोदी के भाषण का विश्लेषण बेहतर ढंग से हो सकता है। सीधा अर्थ है खतरे की घंटी बज चुकी है। तिस पर, विभिन्न सर्वे बता रहे हैं कि बेरोजगारी और महंगाई चुनावी बातचीत में मुख्य मुद्दे बनकर उभरे हैं और वास्तव में गैर-सांप्रदायिक हिंदुओं की सोच को प्रभावित कर रहे हैं। यदि केंद्र सरकार के खिलाफ गुस्से की लहर न भी दिखाई दे तो भी कम से कम उत्साह में कमी तो साफ दिख रही है। यह सब कुछ है जो एक सामान्य चुनाव में किसी सत्ता को बदलने को जरूरी है, अतएव सत्ताधारी पक्ष के लिए लाजिमी हो चला है कि चुनावी प्रचार में मुस्लिम फैक्टर शामिल करके इसे असामान्य बना दिया जाए। जहां आलोचकों का इल्जाम है कि यह भाजपा द्वारा धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करके मतदाता के रुझान को बदलने का अग्रिम उपाय है वहीं बेशक यह चुनावी प्रचार को साम्प्रादायिक रंगत देने का प्रयास है। और 'हिंदू खतरे में है' का राग खुद-ब-खुद दर्शाता है कि भाजपा मुश्किल में है। हालांकि भाजपा के अंदरूनी लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री का बांसवाड़ा का भाषण इस बात का द्योतक नहीं है कि भाजपा मुश्किल में है बल्कि यह तो कार्यकर्ताओं की सुस्ती दूर करने को भावनात्मक सुरों का तड़का था। गोया, पार्टीगण साम्प्रदायिक रंगत को भावनात्मक सुर ठहरा रहे हैं। लेकिन यदि यह दलील मान भी ली जाए, तब भी इतना तो साफ है कि फिलवक्त भाजपा सुस्त पड़ना गवारा नहीं कर सकती और प्रत्येक सीट जीतने के लिए जी-जान से लड़ाई लड़नी पड़ेगी। इस स्थिति में यह समझ से परे हैं कि क्या महज साम्प्रदायिक पुट देना काफी होगा, क्या सुस्ती भगाने या आर्थिक संकट से बनी मतदाता की उदासीनता हटाने के लिए पार्टी के पास यही एक तरीका बचा है? यदि लोगों का मिजाज महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे से प्रभावित है तो मामला सरासर सत्ताधारियों के प्रति कड़वाहट का है, जिसे महज साम्प्रदायिक चाशनी चढ़ाकर दूर नहीं किया जा सकता।

जीत के लिए, मुस्लिम फैक्टर से परे, 'एक बार फिर मोदी' अवयव का होना जरूरी है। और इसी का इम्तिहान है। जहां भाजपा का परीक्षण हो रहा है वहीं सत्ताधारियों के प्रति नाराजगी से उत्पन्न वोटें खुशी-खुशी पाने का इंतजार करने की बजाय कांग्रेस उन्हें भ्रमित कर रही है। राहुल गांधी किसी एक्स-रे जांच करवाने की कह रहे है, यह जानने के लिए कि किस समुदाय ने कितना पाया। जाहिर है उनका एक्स-रे यह नहीं दर्शाता कि खुद कांग्रेस के संभ्रांतों में किस समुदाय ने कितना पाया।

पर्यटकों की सुविधा के लिए विश्वसनीय माहौल बने

आंकड़े बताते हैं कि देश पेट्रोलियम और डीजल का 85 प्रतिशत आयात भारत करता है और हमारे फार्मा उद्योग का अधिकांश कच्चा माल चीन से आता है। ऐसे देश में बिगड़ती अर्थव्यवस्था को संभालने का एक ही रास्ता है कि अधिक पर्यटकों को अपने देश में आकर्षित करें। लेकिन इसकी एक दूसरी तस्वीर भी है। हिमाचल और उत्तराखंड की ओर पर्यटक जाने लगे तो वहां पर प्राकृतिक कोप हमसे संभाला नहीं जा रहा।

सुरेश सेठ

भारत प्रगति की राह पर है, ऐसा हमारे नीति-नियंताओं का कहना है। बेशक बहुत कमाई देने वाले क्षेत्रों में देश का पर्यटन क्षेत्र भी शामिल है। हमारे देश के पर्यटन के तीन हिस्सों में धार्मिक पर्यटन महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही है चिकित्सा पर्यटन। दुनिया में चिकित्सा महंगी होती जा रही है और गंभीर उपचार के लिए भी प्रतीक्षारत होना पड़ता है। भारत में चले आओ तो उपचार सस्ता है। विशेषज्ञ डॉक्टर हमारे विश्वस्तर के अस्पतालों में हाजिर हैं। अंत में भारत जैसी सुंदर धरा पर समुद्र, पहाड़ और खुले हरित मैदानों और ऐतिहासिक स्थलों का वो पर्यटन आकर्षण खुला है कि इसको जितना भी प्रोत्साहित किया जाए, उतना ही विश्व भर के पर्यटकों के लिए कम होगा।

दरअसल, यूरोप के बहुत से शहर तो ओवर टूरिज्म से जूझ रहे हैं। नीदरलैंड ने ब्रिटिश पर्यटकों के खिलाफ एक वीडियो कैम्पेन शुरू किया है, नाम था स्टे अवे। कहा कि 18 से 35 वर्ष तक के ब्रिटिश पुरुष यहां न आएं। एमस्टरडम के केन्द्र से चलने वाला कूज पर्यटकों का बहुत बड़ा आकर्षण है। जिस पर अंकुश लगाया जा रहा है। नये होटल नहीं बनाए जा रहे और कह दिया कि दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक यहां न आएं जबकि कोविड से पहले अढ़ाई करोड़ पर्यटक नीदरलैंड में आते थे। इटली का वेनिस शहर भी पर्यटकों का प्रिय स्थल है। यहां शहर की मशहूर सड़कों पर घूमने के लिए पांच यूरो तक की फीस लगा दी गई है। त्योहार हैं तो भी फीस देनी होगी। हां, जो लोग वेनिस में किसी काम या अपने रिश्तेदारों से मिलने आए हैं, उनसे फीस नहीं ली जाएगी। उधर ग्रीस और फिलीपीन्स भी देश में ओवर टूरिज्म से परेशान हैं। वर्ष 2023 के पहले पांच महीनों के दौरान शहर में 46 प्रतिशत ज्यादा पर्यटक आ गए। ये क्रोएशिया में भी हुआ। ग्रीस ने एथेंस में भी 20 हजार पर्यटकों के आने की सीमा बांध दी । पेरिस में पिछले साल 80 लाख पर्यटक चले आए। विश्व प्रसिद्ध कृति मोनालिसा की एक झलक पाने के लिए धक्कामुक्की करने लगे। वहां भी 30 हजार पर्यटकों तक सीमा बांध दी गई है।

पिछले दिनों मोदी सरकार ने घोषणा की है कि देश की आयात आधारित अर्थव्यवस्था को निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्था बना दिया जाएगा। आंकड़े बताते हैं कि देश पेट्रोलियम और डीजल का 85 प्रतिशत आयात भारत करता है और हमारे फार्मा उद्योग का अधिकांश कच्चा माल चीन से आता है। ऐसे देश में बिगड़ती अर्थव्यवस्था को संभालने का एक ही रास्ता है कि अधिक पर्यटकों को अपने देश में आकर्षित करें। लेकिन इसकी एक दूसरी तस्वीर भी है। हिमाचल और उत्तराखंड की ओर पर्यटक जाने लगे तो वहां पर प्राकृतिक कोप हमसे संभाला नहीं जा रहा।

कुल्लू में बादल फटते हैं, शिमला के राजमार्ग तक भूस्खलन के कारण कई-कई दिन तक रुक जाता है। आजकल सड़कों को चारमार्गीय करने के उत्साह में कुल्लू-मंडी का रास्ता दो दिन में एक बार खुलता है। एक बार आने के लिए, एक बार जाने के लिए। भक्तों की कितनी भीड़ होशियारपुर के मार्ग से पवित्र माताओं के दर्शन करने के लिए जाती है लेकिन रास्ता वही टूटा-फूटा और उपेक्षित। पर्यटन के लिए भीड़ की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर दुनियाभर के बीमारों के लिए भारत के उपचार गृह बहुत बड़ा आकर्षण रखते हैं। इनमें दुनिया के मशहूर डाक्टर काम करते हैं और ये इलाज किफायती भी हैं। लेकिन इन स्थानों के बारे में जागृति को प्रशासन ही पैदा करेगा। पहली प्राथमिकता अगर देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए दी जाए तो निश्चय ही देश में एक ऐसी पर्यटन संस्कृति पनपेगी जो दूसरे महायुद्ध के बाद हमने यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों में देखी थी। तब तो अस्तित्ववाद के प्रभाव से एक बोहेमियन संस्कृति का जन्म हो गया था। नौजवान ऐसे देशों, जिनमें भारत, जापान और चंद अन्य एशियाई देश प्रमुख थे, में आध्यात्मिक शांति के लिए चले आ रहे थे। प्रश्न पैदा होता है कि क्या भारत में हमने इन पर्यटकों के लिए सब सुविधाएं दी हैं? सड़कें अधूरी और पर्यटन स्थलों पर बने हुए आश्रय स्थलों में ठहरने की उचित सुविधा नहीं। अभी पहाड़ी इलाकों में स्टे होम की नई परम्परा बनी है।

दरअसल, पर्यटन के लिए एक घुमक्कड़ प्रवृत्ति भी तो होनी चाहिए। एक यायावर संस्कृति भी तो होनी चाहिए। इसका विकास तो हम देश में कर ही नहीं सके। जरूरत है दूरदृष्टि के साथ पर्यटकों को ठगने की मनोवृत्ति को दरकिनार करने की। भारत के पर्यटन स्थलों में जितना पर्यटकों के लिए ईमानदारी, विश्वसनीयता और सुविधा का माहौल पैदा होगा, उतने ही ज्यादा पर्यटक अधिक आएंगे। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा। भूख, बेकारी और बीमारी से मुक्ति मिलेगी। इसलिए जरूरत है उभरते भारत में पर्यटन क्षेत्र के उचित विकास की।

मोटापा किडनी-लिवर को भी पहुंचाता है नुकसान

लिवर में फैट

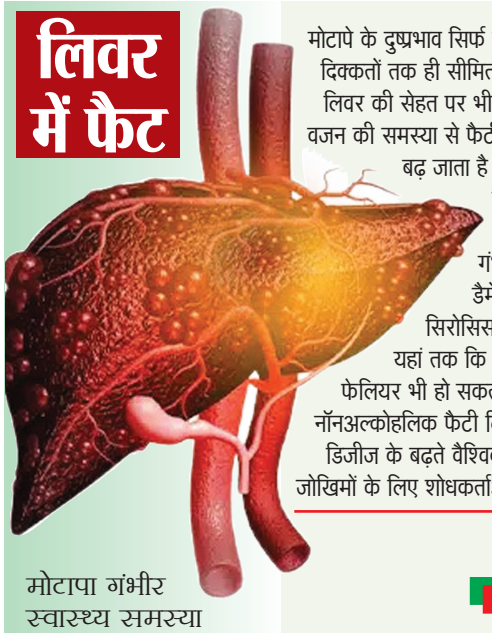

मोटापे के दुष्प्रभाव सिर्फ ब्लड प्रेशर और हार्ट की दिक्कतों तक ही सीमित नहीं है, इसका असर लिवर की सेहत पर भी हो सकता है। अधिक वजन की समस्या से फैटी लिवर रोग का जोखिम बढ़ जाता है। इस स्थिति में आपके लिवर में वसा की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे गंभीर लिवर डैमेज, सिरोसिस और यहां तक कि लिवर फेलियर भी हो सकती है। नॉनअल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज के बढ़ते वैश्विक जोखिमों के लिए शोधकर्ताओं ने मोटापे को प्रमुख कारकों में से एक माना है। ज्यादातर लोग नहीं जानते कि उन्हें फैटी लिवर डिसीज हो चुका है। ये अक्सर ऐसे लोग होते हैं, जो बाहर से पतले दिखते हैं लेकिन उनके लिवर पर फैट होता है। उनके पेट के चारों ओर चर्बी जमी होती है और थकान भी होने लगती है। ऐसे लोगों को 7 से 10 प्रतिशत वजन घटाने की कोशिश करनी चाहिए। एरोबिक एक्सरसाइज या हल्की वेट ट्रेनिंग से भी लिवर की सेहत को फायदा होता है। इसके लिए डॉक्टर डायबिटीज कंट्रोल करने की भी सलाह देते हैं।

इस बीमारी से बचने के लिए सबसे पहले लाइफस्टाइल में बदलाव करना बहुत जरूरी है

हृदय रोग

हृदय रोगों के लिए ब्लड प्रेशर बढ़े रहने को प्रमुख कारक माना जाता है। ये स्थिति दिल का दौरा, हार्ट फेलियर, एनजाइना और या असामान्य रूप से हृदय गति को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। जिन लोगों को पहले से ही हार्ट की समस्या रही है अगर उनका ब्लड प्रेशर कंट्रोल नहीं रहता है तो ऐसे लोगों में जानलेवा हार्ट अटैक और स्ट्रोक का भी जोखिम बढ़ जाता है।

टाइप-2 डायबिटीज

अधिक वजन की समस्या आपको डायबिटीज का भी शिकार बना सकती है। टाइप-2 डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जो तब होती है जब आपका ब्लड ग्लूकोज लेवल बहुत अधिक हो जाता है। टाइप-2 डायबिटीज वाले लगभग 10 में से 9 लोगों का वजन अधिक देखा जाता रहा है। समय के साथ, हाई ब्लड शुगर के कारण हृदय रोग, स्ट्रोक, किडनी की बीमारी, आंखों की समस्याएं, तंत्रिकाओं का विकार होने का भी जोखिम बढ़ता जाता है। इसमें कई स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। मधुमेह के लक्षणों में बार-बार पेशाब आना, दृष्टि संबंधी समस्याएं, थकान, भूख और प्यास का बढ़ना, घावों का धीरे-धीरे भरना आदि हैं। टाइप 2 मधुमेह प्रबंधन में मधुमेह की दवाएं और इंसुलिन थेरेपी शामिल हैं।

मोटापा गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिसका खतरा लगभग हर उम्र के व्यक्ति में देखा जाता रहा है। मोटापे के शिकार लोगों में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। अधिक वजन और मोटापा की स्थिति न सिर्फ क्रोनिक बीमारियों का कारण बन सकती है साथ ही जिन लोगों को पहले से डायबिटीज-हार्ट की समस्या है उनके जोखिमों को और भी बढ़ा सकती है। अगर आपका भी वजन अधिक है तो सावधान हो जाइए, अगर इसे समय रहते कंट्रोल न किया गया तो आपको गंभीर दिक्कतें हो सकती हैं। आमतौर पर बढ़े हुए वजन की समस्या को हृदय रोगों का कारक माना जाता है, पर इसके जोखिम यहीं तक सीमित नहीं हैं।

हाई ब्लड प्रेशर

जिन लोगों का वजन सामान्य से अधिक होता है उनमें हाई ब्लड प्रेशर और इससे संबंधित बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। हाई ब्लड प्रेशर में खून का दबाव आपके रक्त वाहिकाओं की दीवारों पर अधिक होने लगता है। हाई ब्लड प्रेशर का सबसे बड़ा खतरा हृदय स्वास्थ्य पर देखा जाता रहा है और इसकी अनियंत्रित स्थिति हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का भी कारण बन सकता है। हाई बीपी के कारण ब्रेन की समस्याओं से बचना है तो आपको सबसे पहले अपनी बीपी को चेक करते रहना होगा। अगर आपका ब्लड प्रेशर हमेशा बढ़ा रहता है कि तो डॉक्टर आपके लिए कुछ दवाइयां लिख सकते हैं। इसलिए इससे बचाव के लिए पहला कदम है अपना बीपी चेक करते रहना। उसके बाद अपने जीवनशैली में बदलाव करना जरूरी है। हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए अपने सोडियम लेवल को सही रखें। अपने सोडियम सेवन को एक दिन में 2,300 मिलीग्राम से कम करें। साथ ही ज्यादा नमक वाली चीजों को खाने से बचें।

हंसना मना है

शादी हमेशा अच्छा खाना पकाने वाली से करना चाहिए... क्योंकि... शादी के बाद प्यार कम हो सकता है, भूख नहीं...!!!

पप्पू - स्वामी जी, यहां पहाड़ के ऊपर बहुत ठंड है, इतनी ठंड में भी आपकी खुशी का राज क्या है...? स्वामी जी - 21 वर्ष की तपस्या और ग्रीन टी मुझे ठंड से बचाते हैं! वैसे तुम क्या पसंद करोगे, तपस्या या ग्रीन टी...? पप्पू - जी ग्रीन टी...! स्वामी जी - तपस्या, दो कप ग्रीन टी लाना...!!! पप्पू बेहोश...

पत्नी ने पति से प्लाजो दिलाने की जिद की... पति ने तुरन्त पिताजी का 36 इंच मोहरी का पायजामा रंगवा कर दे दिया...! पत्नी खुशी जाहिर करते हुए नहीं थक रही... पिताजी पाजामा ढूंढते नहीं थक रहे... और...पति एक कोने में बैठकर हंसते नहीं थक रहा...!!!

मरीज - डॉक्टर, मैं खाना न खाऊं, तो मुझे भूख लग जाती है, ज्यादा काम करता हूं तो थक जाता हूं, देर तक जगा रहूं तो नींद आ जाती है, मैं क्या करूं...? डॉक्टर - रात भर धूप में बैठे रहो, सही हो जाओगे...!

कहानी | लोमड़ी और अंगूर

एक लोमड़ी बहुत भूखी थी। वह खाने की तलाश में इधर-उधर भटकने लगी। काफी समय तक घूमने के बाद भी उसे खाने को कुछ भी न मिला, तभी उसकी नजर पास के एक बाग पर पड़ी। बाग बहुत ही सुन्दर और हरा-भरा था। उस बाग से बड़ी ही मीठी सुगंध आ रही थी। उसे एहसास हो चला कि अब उसकी खाने की तलाश जल्द ही खत्म होने वाली है। वह तेजी से बाग की ओर अपने कदम बढ़ाने लगी। जैसे-जैसे वह कदम आगे बढ़ाती, बाग से आने वाली महक और भी तेज होती जाती। उसने मन ही मन सोचा कि इस बाग में कुछ तो खास होगा, जो उसे खाने को मिलेगा। इसी सोच के साथ वह और तेजी से आगे बढ़ने लगी। जैसे ही वह बाग में पहुंची, तो उसने देखा कि बाग तो अंगूर की बेलों से लदा हुआ है। सभी अंगूर पूरी तरह से पक चुके हैं। अंगूर देखकर उसकी आंखें चमक उठीं। अंगूरों की महक से उसने इस बात का अंदाजा लगा लिया कि अंगूर कितने रसदार और मीठे होंगे। वह इतनी उतावली हो चली कि मानो एक ही बार में बाग के सारे अंगूर खा जाएगी। उसने झट से अंगूरों को लक्ष्य बनाकर एक लंबी छलांग मारी, लेकिन वह अंगूरों तक पहुंच नहीं सकी और धड़ाम से जमीन पर आ गिरी। उसका पहला प्रयास विफल हुआ। उसने सोचा क्यों न फिर से कोशिश की जाए। वह एक बार फिर जोश से उठी और इस बार उसने अपनी पूरी ताकत से पहले से तेज अंगूरों की ओर छलांग लगा दी, लेकिन अफसोस कि उसका यह प्रयास भी बेकार गया। इस बार भी वह अंगूरों तक पहुंचने में नाकामयाब रही, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने खुद से कहा कि अगर दो प्रयास विफल हो गए तो क्या, इस बार तो सफलता मुझे मिलकर ही रहेगी। फिर क्या था, इस बार फिर वह दोगुने जोश के साथ खड़ी हुई। इस बार उसने अब तक की सबसे लंबी छलांग लगाने की कोशिश की। उसने अपने शरीर की सारी ताकत को एकत्र कर एक लंबी दौड़ लगाई। उसे लगा था कि इस बार उसे अंगूर पाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार का प्रयास भी खाली गया। वह जमीन पर आ गिरी। इतने जतन करने के बावजूद वह एक भी अंगूर हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में उसने अंगूर पाने की अपनी आस छोड़ दी और हार मान ली। अपनी विफलता को छिपाने के लिए उसने खुद ही बोला कि अंगूर खट्टे हैं, इसलिए इन्हें मुझे नहीं खाना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क

थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह

विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या

उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक

दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी।

मकर

वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ

मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है।

मीन

बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

चार फिल्मों तक मैं फिटनेस ट्रेनर तक नहीं अफोर्ड कर पायी : परिणीति

परिणीति चोपड़ा इन दिनों फिल्म चमकीला को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मेल लीड रोल में थे। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। परिणीति फिल्म की सक्सेस एंजॉय कर रही हैं और लगातार इंटरव्यूज दे रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने स्ट्रगल के दिनों को याद किया। राज शमानी संग पॉडकास्ट में परिणीति ने फाइनेंशियल स्ट्रगल के बारे में बात की। पॉडकास्ट में परिणीति ने कहा, मैं बहुत अमीर बैकग्राउंड से नहीं आती। मैं बहुत सिंपल मिडिल क्लास गर्ल हूं। सच कहूं तो मैं बॉलीवुड को समझती नहीं हूं। मुझे नहीं पता था कि मुंबई में लोग कैसे ऑपरेट करते हैं। मेरे हाई फ्लाईंग दोस्त नहीं हैं। मेरे पास ट्रेनर, स्टाइलिस्ट नहीं थे। वहीं जो लोग वहां से आते हैं वो इस दुनिया को अच्छे से जानते हैं और उन्होंने मुझे जज किया। आगे परिणीति ने कहा, मैं ऐसे थी कि मेरे पास 4 लाख रुपये महीने के पे करने के लिए नहीं हैं। मैं इतना पैसा नहीं कमाती हूं। ये मेरी तीसरी फिल्म थी। मुझे याद है कि मेरा एक को-एक्टर जो मुंबई में पैदा हुआ और इस दुनिया को अच्छे से समझता है उसने मुझसे कहा था-तुम फिटनेस ट्रेनर हायर क्यों नहीं कर लेती हो? ये तुम्हारी जॉब के लिए जरुरी है। तो मैंने कहा कि लेकिन मैं ये अफोर्ड नहीं कर सकती। मेरी पहली फिल्म के लिए मुझे 5 लाख रुपये मिले थे, जिससे एक महीने का इन सब चीजों का खर्चा भी नहीं उठा पाती। तो उसने मुझसे कहा कि अगर तुम अफोर्ड नहीं कर सकती तो तुम्हें इस प्रोफेशन में नहीं होना चाहिए था। मुझे ये कई लेवल पर बहुत गलत लगा था। एक्ट्रेस ने उस समय को भी याद किया जब वो बिजनेस और फर्स्ट क्लास में फ्लाई भी नहीं करती थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि ये उनकी लाइफ में बहुत समय के बाद हुआ। अपनी पांचवी फिल्म पूरी करने के बाद और अपने बैंक अकाउंट देखने के बाद उन्हें ये एहसास हुआ कि अब वो जूते और बैग अफोर्ड कर सकती हैं।

फिल्म हैप्पी पटेल में डॉन का रोल निभायेंगे आमिर खान

आमिर खान इन दिनों लाइमलाइट में हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में शिरकत करने के साथ ही आमिर ने कई बातों का खुलासा किया था। वह अपने मजाकिया अंदाज के अलावा अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं।

आमिर खान के भांजे इमरान खान ने 9 साल पहले जाने तू या जाने ना से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म आमिर खान के डायरेक्शन में ही बनी थी। हालांकि, कुछ वर्षों के बाद इमरान ने एक्टिंग को अलविदा कह दिया। मगर सामने आई जानकारी के अनुसार, इमरान अब बॉलीवुड में वापसी के लिए तैयार हैं। उन्हें री लॉन्च करने की जिम्मेदारी आमिर खान ने ही संभाली है।

आमिर खान हैप्पी पटेल नाम की फिल्म बना रहे हैं। इस मूवी के लीड एक्टर इमरान खान होंगे। ये फिल्म इमरान के कमबैक के साथ ही उनके रुके हुए करियर की गाड़ी को आगे बढ़ाने का भी काम कर सकती है।

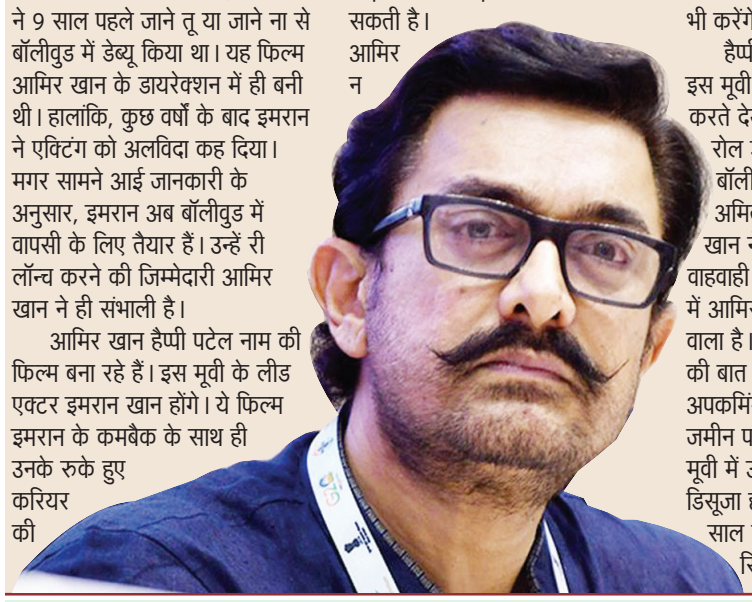

आमिर न सिर्फ ये मूवी बनाएंगे, बल्कि एक्टिंग भी करेंगे।

हैप्पी पटेल कॉमेडी फिल्म होगी। इस मूवी में आमिर खान कैमियो करते देखे जा सकते हैं। उनका रोल डॉन का होगा। डॉन बॉलीवुड में पॉपुलर कैरेक्टर है। अमिताभ बच्चन के बाद शाहरुख खान ने इस रोल को प्ले कर वाहवाही लूटी थी। अब इस लिस्ट में आमिर खान का भी नाम जुड़ने वाला है। आमिर खान के वर्कफ्रंट की बात करें, तो एक्टर की अपकमिंग फिल्म में सितारे जमीन पर में नजर आएंगे। इस मूवी में उनकी को-स्टार जेनेलिया डिसूजा होंगी। फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी।

मैं जहां हूं वहां पहुंचने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है : तापसी पन्नू

तापसी पन्नू आज बॉलीवुड में अलग मुकाम हासिल कर चुकी हैं। फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्म देने वाली तापसी के लिए सफर काफी मुश्किल भरा रहा है। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री अपने संघर्ष के दिनों को याद किया। साथ ही बॉलीवुड के पैपराजी कल्चर पर भी बात की।

हाल में ही तापसी पन्नू शाहरुख खान के साथ डंकी में नजर आई थीं। दर्शकों को इस फिल्म में उनका किरदार खूब पसंद आया था। तापसी बॉलीवुड में अलग अलग-अलग तरह की भूमिका निभाती दिखती हैं। तापसी कहती हैं, मैंने अपने करियर के शुरुआत से ही अलग-अलग किस्म की भूमिकाओं को चुना है। मैंने फिल्म बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्मों के एक्शन किया है। जबकि सांढ़ की आंख और मनमर्जियां जैसी फिल्में भी की। एक्सपेरिमेंट करना मुझे पसंद है।

तापसी पन्नू ने कहा कि आज मैं जहां हूं वहां पहुंचने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है। यह सफलता मुझे यूं ऐसे ही नहीं मिल गई है। अब मैं जहां हूं वहां से मैं आराम से अपने करियर के साथ निजी जिंदगी पर भी ध्यान दे रही हूं। करियर के साथ जिंदगी में संतुलन रहे यह भी बहुत जरुरी होता है। तापसी पन्नू अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया से दूर रखती हैं। वे अपनी जिंदगी से जुड़ी बातों को सबके साथ साझा नहीं करती हैं। वहीं बॉलीवुड में पैपराजी कल्चर पर उन्होंने कहा कि, पैपराजी को कलाकारों की निजता का सम्मान करना चाहिए। उनकी भी पर्सनल लाइफ है। कई बार पैपराजी इसे नहीं समझते हैं।

प्यार में सबकुछ मंजूर! रोजाना लंदन से जर्मनी तक प्लेन से आफिस जाता है शख्स

प्यार में लोग हद तक गुजर जाते हैं। कोई चोरी करने लगता है तो कोई लूटमार। कोई हत्यारा तक बन जाता है। लेकिन इस शख्स की कहानी अलग ही है। सेब नाम का यह शख्स लंदन में नौकरी करता है। लेकिन चूंकि इसकी प्रेमिका जर्मनी के हैम्बर्ग में रहती है, इसलिए रोजाना प्लेन से हैम्बर्ग से लंदन तक सफर करता है। आने जाने पर उसे रोज 5 घंटे लगते हैं। काफी सारा पैसा खर्च होता है, इसके बावजूद वह लंदन में रुकना नहीं चाहता। नौकरी खत्म होते ही वह हवाई जहाज लेने एयरपोर्ट पहुंच जाता है। उसने टिकटॉक पर अपनी कहानी शेयर की है। और बताया कि वह लंदन में ही क्यों नहीं रुकता। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, सेब एक टिकटॉकर हैं और आए दिन हैम्बर्ग से लंदन के कैनरी घाट तक की अपनी यात्रा के बारे में लोगों को बताते रहते हैं। ये भी बताते हैं कि उन्हें रोजाना आने जाने में 5 घंटे से भी ज्यादा का समय लगता है। जब उनसे पूछा जाता था कि वे लंदन में ही क्यों नहीं रुक जाते, रोजाना प्लेन से आने-जाने पर काफी खर्च होता होगा। तो अक्सर वे जवाब को टाल जाते थे। लेकिन पहली बार उन्होंने वजह बताई है। लोगों को लगता था कि शायद लंदन में फ्लैट का महंगा किराया है, इसलिए वे नहीं रुकते, लेकिन जो वजह सेब ने बताई, वो जानकर लोग हैरान रह गए। सेब ने बताया कि हैम्बर्ग में उनकी प्रेमिका रहती हैं, वे लंदन में रहना नहीं चाहतीं, इसलिए उन्हें रोजाना लंदन से हैम्बर्ग की यात्रा करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, देखते हैं कि आज मुझे जर्मनी के हैम्बर्ग से लंदन तक यात्रा करने में कितना समय लगेगा? सुबह मेरी यात्रा यूके से एक घंटे पहले, जर्मन समयानुसार 4.34 बजे शुरू हुई। मैं साइकिल से स्टेशन पहुंचा और फिर एक ट्रेन में चढ़ गया। फिर दूसरी ट्रेन में पकडनी पड़ी, और सुबह करीब 5.33 बजे एयरपोर्ट पहुंचा। और लौट रहा हूं। एक अन्य वीडियो में सेब बताते हैं कि वे कैसे शाम 5 बजे कैनरी व्हार्फ स्थित अपने कार्यालय से निकले और दो ट्रेनें लेने के एक घंटे बाद हीथ्रो एयरपोर्ट पहुचे। फिर अपनी उड़ान रवाना होने से एक घंटा पहले उन्होंने कुछ खाना लिया, और फिर निकल गए। उन्हें घर पहुंचने में रिकॉर्ड चार घंटे और 57 मिनट का समय लगता है। वे रोजाना दो देशों के बीच यात्रा करते हैं। सेब अकेले नहीं हैं।

अजब-गजब | पृथ्वी के सबसे दक्षिणी इलाके में चलती है यह ट्रेन

इस कहा जाता है दुनिया के अंत की ट्रेन

दक्षिण अमेरिका के सबसे दक्षिणी सिरे पर, एंडीज से परे, उशुआइया का सुंदर और रंगीन शहर स्थित है, जिसे कुछ लोग दुनिया का सबसे दक्षिणी शहर मानते हैं। शहर के बाहरी इलाके से परे एक छोटी भाप रेलवे चलती है जो मूलरूप से उशुआइया की दंड कॉलोनी की सेवा के लिए बनाई गई थी। आज, दक्षिणी फ्यूजियन रेलवे पर्यटकों को सुरम्य पिको घाटी, घने जंगलों वाले टोरो कण्ठ से होते हुए हैरतअंगेज राष्ट्रीय उद्यान तक ले जाता है। इस्ला ग्रांडे डे टिएरा डेल फुएगो, वह द्वीप है जहां उशुआइया स्थित है। यह उपनिवेश बनने वाले अमेरिका के अंतिम क्षेत्रों में से एक था। इसकी खोज सबसे पहले फर्डिनेंड मैगलन ने 1520 में की थी, और उन्होंने ही द्वीपों पर मूल बस्तियों से उठती सभी आग और धुएं के कारण द्वीपों का नाम टिएरा डेल फुएगो रखा था, जिसका अर्थ है आग की भूमि। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक यहां लोग और मिशनरी आए जिसके बाद इस शहर ने वैसा आकार लेना शुरू कर दिया जैसा कि हम इसे आज जानते हैं।

19वीं सदी के अंत में, इस्ला ग्रांडे डे टिएरा डेल फुएगो को अर्जेंटीना सरकार द्वारा खतरनाक अपराधियों को रखने के लिए एक दंड कॉलोनी में बदल दिया गया था। जेल को पैनोप्टीकॉन शैली में डिजाइन किया गया था, जिसके पंख एक पहिये से निकलने वाली तीलियों की तरह निकलते थे और

एक केंद्रीय टॉवर था जहाँ से वार्डन कैदियों को देखते थे। इसके अलगाव के कारण, द्वीप से भागना लगभग असंभव था और जैसे-जैसे वर्ष बीतते गए, जहर देने वाले इस्ला ग्रांडे डे टिएरा डेल फुएगो के अनिच्छुक उपनिवेशवादी बन गए। उन्होंने जेल के आसपास के जंगल से लकड़ी लेकर शहर का निर्माण किया। उन्होंने निपटान के सर्वर और निर्माण सामग्री के परिवहन के लिए रेलवे का भी निर्माण किया।

मूल रेलवे लकड़ी की पटरियों से बनाई गई थी, जिस पर बैल वैगन खींचते थे। 1909 में, जेल अधिकारियों ने स्टील रेल और स्टीम लोकोमोटिव के साथ लाइन को नैरो गेज में अपग्रेड किया। लाइन जेल से वानिकी शिविर तक किनारे के साथ चलती थी, ताकि कैदी हीटिंग और खाना पकाने के लिए जलाऊ लकड़ी के साथ-साथ इमारत के लिए लकड़ी भी ला सकें। ट्रेन को ट्रेन डे लॉस प्रेसोस, या कैदियों की ट्रेन के नाम से जाना जाने लगा।

जैसे-जैसे लकड़ी खत्म होती गई रेलवे को धीरे-धीरे जंगल के अंदर सुदूर इलाकों तक फैलाया गया। यह पीपो नदी की घाटी से होते हुए ऊंचे भूभाग में चला गया। लगातार निर्माण से जेल और शहर का विस्तार हुआ, कैदियों को कई सेवाएं और सामान उपलब्ध कराए गए। 1947 में जेल बंद कर दी गई और 1950 में उशुआइया में एक नौसैनिक अड्डा स्थापित किया गया। 1982 में फॉकलैंड युद्ध की समाप्ति और अर्जेंटीना में लोकतंत्र की पुनः स्थापना तक यह शहर शेष विश्व से कटा रहा। लंबे समय से भूली हुई रेलवे को 500 मिमी गेज में फिर से बनाया गया और एक पर्यटक रेलवे के रूप में फिर से लॉन्च किया गया। इसका नाम बदलकर दक्षिणी फ्यूजियन रेलवे या ट्रेन डेल फिन डेल मुंडो (दुनिया के अंत की ट्रेन) कर दिया गया। यह दुनिया का सबसे दक्षिणी कामकाजी रेलवे है। ट्रेन डेल फिन डेल मुंडो यात्रियों को टिएरा डेल फुएगो राष्ट्रीय उद्यान के आश्चर्यजनक परिदृश्य, हरे-भरे खेतों, घने जंगल और अतीत की नदियों के माध्यम से ले जाता है। यात्रियों को पुरानी जेल का दौरा करने का मौका मिलता है, जो अब रेलवे का मुख्य स्टेशन है, फिर पुराने मार्ग पर यात्रा करते हैं जो मूल रूप से कैदियों द्वारा बनाया गया था।

रेवन्ना मामले पर चुप क्यों हैं पीएम मोदी : खेड़ा

» कांग्रेस ने पीएम की चुप्पी पर उठाए सवाल

» कहा- रेवन्ना को जर्मनी भागने में किसने मदद की?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पत्र साझा किया है जिसमें कथित तौर पर भाजपा नेता देवराज गौड़ा ने 8 दिसंबर, 2023 को प्रज्वल रेवन्ना के बारे में कर्नाटक राज्य इकाई प्रमुख को लिखा था। पवन खेड़ा ने पूछा कि अगर बीजेपी को प्रज्वल रेवन्ना के बारे में पता था तो उसने जनता दल (सेक्युलर) के साथ गठबंधन क्यों किया। उन्होंने यह भी पूछा कि रेवन्ना को जर्मनी भागने में किसने मदद की थी। सवालों की कतार में खेड़ा ने यह भी पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं?

खेड़ा ने एक्स पर लिखा, यहां 8 दिसंबर, 2023 को बीजेपी नेता देवराज गौड़ा द्वारा बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष को लिखा गया पत्र है, जिसमें प्रज्वल रेवन्ना के अश्लील वीडियो से भरी पेन ड्राइव की मौजूदगी का खुलासा किया गया है। इसके अतिरिक्त, कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने दावा किया कि यह भारतीय जनता पार्टी ही है जिसने कथित अश्लील वीडियो मामले में हसन सांसद को अधिकारियों से बचने में मदद की है। प्रज्वल रेवन्ना पर उनकी पूर्व घरेलू सहायिका की शिकायत के बाद रविवार को यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। मामले में प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता और जेडीएस नेता एचडी रेवन्ना के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत के अनुसार, पीड़िता ने दावा किया है कि एचडी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना दोनों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। इससे पहले आज, जनता दल (सेक्युलर) विधायक शरण गौड़ा कंदाकुर ने पार्टी अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा को पत्र लिखकर कथित अश्लील वीडियो मामले में प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। कंडाकुर ने कहा कि एचडी देवेगौड़ा के पोते का निष्कासन पार्टी को और शर्मिंदगी से बचाएगा।

ये पूर्व नियोजित और फर्जी वीडियो हैं : बोम्मई

बोम्मई ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि, जिस समय उन्होंने ऐसा किया है, उसे देखते हुए, ये सभी पूर्व नियोजित हैं। फर्जी वीडियो हैं। ऐसे बहुत सारे वीडियो हैं। कोई पूछताछ नहीं है। इस पर विशेष जांच क्यों उन्होंने महिला सुरक्षा में कमी को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया। पूर्व सीएम ने दक्षिणी राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध की कुछ हालिया घटनाओं को सूचीबद्ध किया और कहा, कोई भी महिला सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है, कोई भी माता-पिता अपनी लड़कियों के बारे में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। हावेरी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ने कहा, महिला सुरक्षा पर एक बड़ा सवाल है। जब सीएम बेलगाम शहर में थे तो एक दलित महिला के साथ बलात्कार की घटना हुई थी। एक अल्पसंख्यक महिला के साथ बलात्कार किया गया था। हावेरी में, उस लड़की को सरेआम कैंपस में मार दिया गया। वहां कई अन्य घटनाएं हो रही हैं। कानून और व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा है और महिला सुरक्षा उससे भी बड़ा मुद्दा है।

पीएम मोदी का आदर्श वाक्य हमेशा 'असत्यमेव जयते' रहा : जयराम रमेश

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उसके चुनावी घोषणा पत्र के बारे में जर्मनी के पूर्ववर्ती नाजी प्रचार मंत्री जोसेफ गोएबल्स से प्रेरणा ले कर बात करते हैं। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र नाम दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, ''संपूर्ण राजनीति विज्ञान में एमए के लिए नरेन्द्र मोदी जी ने निश्चित रूप से प्रचार के संबंध में जोसेफ गोएबल्स को पढ़ा होगा और उनसे प्रेरणा ली होगी। उन्होंने उल्लेख किया कि गोएबल्स ने कहा था, ''यदि आप बहुत बड़ा झूठ बोलते हैं और उसे दोहराते रहते हैं, तो लोग अंततः उस पर विश्वास करने लगेंगे।'' गोएबल्स जर्मन शासक एडोल्फ हिटलर के प्रचार मंत्री थे। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया, ''एक टीवी चैनल को दिए अपने नवीनतम साक्षात्कार में निवर्तमान प्रधानमंत्री ने एक बार फिर कांग्रेस के न्यायपत्र के बारे में स्पष्ट रूप से, खुलेआम और बेशर्मी से झूठ बोला है। यह एक बार फिर साबित करता है कि मोदी का आदर्श वाक्य हमेशा 'असत्यमेव जयते' रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री जब जब बोलते हैं तो सत्य की बेरहमी से हत्या होती है। प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय जनता पार्टी के कुछ अन्य वरिष्ठ नेता अपनी चुनावी सभाओं में कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं कि वह लोगों की संपत्ति छीनना चाहती है।

वीडियो 4-5 साल पुराने, बेटे के खिलाफ की गई साजिश : एचडी रेवन्ना

कर्नाटक के विधायक और जनता दल (सेक्युलर) नेता एचडी रेवन्ना ने अपने बेटे और सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े सेक्स स्कैंडल पर टिप्पणी करते हुए इसे एक साजिश बताया और कहा कि वीडियो 4-5 साल पुराने हैं। पिछले सप्ताह प्रज्वल रेवन्ना के कई कथित अश्लील वीडियो सामने आए, जिससे बड़े पैमाने पर विवाद हुआ। रविवार को प्रज्वल और उसके पिता के खिलाफ उनके परिवार ने यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज कराया था। एचडी रेवन्ना ने कहा, मैं जानता हूं कि किस तरह की साजिश चल रही है। मैं उनमें से नहीं हूं जो डर जाऊंगा और भाग जाऊंगा। उन्होंने 4-5 साल पुरानी चीज जारी कर दी है।

अपने ही आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने लिया वापस

» पीड़िता के माता-पिता के मन बदलने पर गर्भपात का आदेश रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 14 वर्षीय बलात्कार पीड़िता के माता-पिता के अपना मन बदलने के बाद सोमवार को अपना 22 अप्रैल का आदेश वापस ले लिया, जिसमें उसने लड़की को 30 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति दी थी। नाबालिग लड़की का कल्याण ''बेहद महत्वपूर्ण'' बताते हुए शीर्ष अदालत ने 22 अप्रैल को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए लड़की को अपना गर्भ गिराने की अनुमति दी थी।

अनुच्छेद 142 के तहत न्यायालय को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अपराह्न दो बजे अदालत कक्ष में मामले की सुनवाई की और पीठ की सहायता कर रहीं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी तथा नाबालिग लड़की के माता-पिता के वकील से बातचीत की। मामले से जुड़े वकीलों ने कहा कि लड़की के माता-पिता ने वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से न्यायाधीशों के साथ बातचीत की। लड़की के माता-पिता ने कहा कि उन्होंने गर्भावस्था की पूरी अवधि तक इंतजार करने का फैसला किया है। प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने अभिभावकों की दलीलें स्वीकार कर लीं और 22 अप्रैल का आदेश वापस ले लिया।

मोदी की रैली पर बंगाल में रार

सीएम ममता बनर्जी ने नहीं दी बर्धमान रैली को इजाजत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। अगर ममता सरकार ने प्रधानमंत्री की रैली को मंजूरी नहीं दी तो वह कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएंगे। बताने की वर्तमान दुर्गापुर लोकसभा सीट पर चौथे चरण के तहत मतदान होगा। इसी पर 13 मई को वोटिंग होगी। इस मामले पर भाजपा नेता दिलीप घोष का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 मई को जनता को संबोधित करेंगे।

दिलीप घोष की माने तो बंगाल की ममता बनर्जी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 3 में को वर्धमान में होने वाली चुनावी रैली की इजाजत नहीं दे रही है। उन्होंने कहा है कि अगर ममता सरकार ने प्रधानमंत्री की रैली को मंजूरी नहीं दी तो वह कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएंगे। बताने की वर्तमान दुर्गापुर लोकसभा सीट पर चौथे चरण के तहत मतदान होगा। इसी पर 13 मई को वोटिंग होगी। इस मामले पर भाजपा नेता दिलीप घोष का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 मई को जनता को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रैली करने के लिए इजाजत नहीं दी तो बीजेपी अदालत का खटखटाने को मजबूर होगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी तीन मई को वर्तमान में एक सभा को संबोधित करेंगे।

भाजपा ने कहा कोर्ट जाएंगे

इस सभा के लिए भाजपा नेताओं ने दो मैदानो को चुना है मगर राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सभा करने के लिए अनुमति नहीं दे रही है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रैली करने की अनुमति नहीं मिली तो अदालत का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा। बता दें कि निर्वाचन आयोग ने वर्तमान दुर्गापुर लोकसभा सीट के लिए मतदान चौथे चरण में 13 में को रखा है। पश्चिम बंगाल लोकसभा में 42 सीटों के साथ तीसरा सबसे ज्यादा सीटों वाला राज्य है।

सॉल्ट और चक्रवर्ती ने दिल्ली को उड़ाया

कोलकाता की 7 विकेट से जीत, दूसरे स्थान पर स्थिति की मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए आईपीएल मुकाबले में वरूण चक्रवर्ती की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट के तूफानी अर्धशतक से कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट हराकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। दिल्ली के 154 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाइट राइडर्स ने सॉल्ट की 33 गेंद में पांच छक्कों और सात चौकों से 68 रन की पारी की बदौलत 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 157 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

सॉल्ट ने सुनील नारायण (15) के साथ पहले विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी भी की। कप्तान श्रेयस अय्यर (नाबाद 33) और वेंकटेश अय्यर (नाबाद 26) ने चौथे विकेट के लिए 57 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस जीत से नाइट राइडर्स के नौ मैच में छह जीत से 12 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर है। दिल्ली की टीम 11 मैच में 10 अंक के साथ छठे स्थान पर है।

सॉल्ट का 26 गेंदों में अर्धशतक

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नाइट राइडर्स को सॉल्ट ने तूफानी शुरुआत दिलाई। उन्होंने लिजाड विलियम्स की पहली गेंद पर चौके से खाता खोला और फिर इसी ओवर में लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा। नारायण ने भी इसी ओवर में चौके से खाता खोला। अगले ओवर में सॉल्ट हालांकि भाग्यशाली रहे जब खलील अहमद की गेंद पर विलियम्स ने उनका कैच टपका दिया। सॉल्ट ने इसका फायदा उठाते हुए विलियम्स के अगले ओवर में लगातार दो छक्के मारे। नारायण ने रसिक सलाम पर लगातार दो चौकों के साथ पांचवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। सॉल्ट ने खलील पर छक्के से सिर्फ 26 गेंद में अर्धशतक पूर किया। नाइट राइडर्स ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 79 रन बनाए।

दिल्ली ने इससे पहले चक्रवर्ती (16 रन पर तीन विकेट), हर्षित राणा (28 रन पर दो विकेट) और वैभव अरोड़ा (29 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम नौ विकेट पर 153 रन ही बना सकी। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कुलदीप यादव (26 गेंद में नाबाद 35, पांच चौके, एक छक्का) दिल्ली की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे जबकि उनके अलावा कप्तान ऋषभ पंत (20 गेंद में 27 रन, दो चौके एक छक्का) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

महाराष्ट्र में होगा बीजेपी का अंतिम संस्कार : राउत

» बोले- इसलिए पीएम मोदी की आत्मा यहां भटक रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण से पहले राजनीतिक दलों और नेताओं के तीखे बयान सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उनका महाराष्ट्र से कोई लेना-देना नहीं है,यह आत्मा जो मोदी जी की भटक रही है यह बीजेपी का श्मशान बनने जा रहा है, बीजेपी का अगर कहीं अंतिम संस्कार होगा तो महाराष्ट्र में होगा आप देख लीजिए।

उन्होंने कहा कि यह आत्मा जो दिल्ली और गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र आती है, वह बार-बार महाराष्ट्र में क्यों भटक रही है? इसलिए भटक रही है क्योंकि महाराष्ट्र बीजेपी के लिए 4 जून के बाद एक श्मशान की तरह होने वाला है, इसलिए उनकी आत्मा महाराष्ट्र में बीजेपी के श्मशान की तरह भटक रही है, हमने यह तय किया है जो महाराष्ट्र के दुश्मन हैं, जिसने महाराष्ट्र तोड़ने की साजिश की है चाहे शरद पवार हों, चाहे उद्धव ठाकरे हों उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिश की है। उनकी आत्मा जो है महाराष्ट्र और मुंबई में भटक गई है।

यहां के उद्योगपति यहां की संपत्ति सब कुछ हड़पना चाहते हैं। यह आत्मा और इस आत्मा के साथ हमारी लड़ाई है, यह अघोरी आत्मा है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना पर बोले- यही है मोदी का परिवार

कर्नाटक में वीडियो स्कैंडल के मामले पर बोलते हुए संजय राउत ने कहा, भारतीय जनता पार्टी एक ढोंग रचने वाली पार्टी है, कर्नाटक में 2800 वीडियो वायरल हो गए हैं एक व्यक्ति के जो बीजेपी के परिवार के सदस्य हैं, मोदी जी का परिवार कितना बड़ा है, देखिए, उनके परिवार के सदस्य 2800 बलात्कार करते हैं। इतना बड़ा परिवार है और मोदी जी उनके लिए वोट मांगते हैं यह सिर्फ एक भटकती आत्मा ही कर सकती है, और कोई नहीं कर सकता। इस प्रकार का काम अगर कोई कर सकता है तो वह भटकती आत्मा ही कर सकती है और मोदी जी वह कर रहे हैं। एक बलात्कारी महिलाओं पर अत्याचार करने वाला एक व्यक्ति के लिए मोदी वोट मांगते हैं और मोदी जी को इस बारे में दिल में कोई दुख नहीं है।

फिर लगी बाबा रामदेव को सुप्रीम फटकार

» पतंजलि भ्रामक विज्ञापन का मामला

» पूछे सवाल- माफीनामा समय पर क्यों दाखिल नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पतंजलि भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज मंगलवार (30 अप्रैल) को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बाबा रामदेव और बालकृष्ण से सवाल करते हुए कहा कि माफीनामा समय पर दाखिल क्यों नहीं किया गया। इस पर पतंजलि के वरिष्ठ वकील रोहतगी ने कहा कि यह 5 दिन पहले दायर किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को फटकार लगाते हुए कहा कि कंपनी भ्रामक विज्ञापन मामले में उसके आदेशों का पालन नहीं कर रही है। जब अदालत ने ऑरिजनल रिकॉर्ड मांगे तो सार्वजनिक माफी की ई-कॉपी पेश करने के लिए कंपनी की खिंचाई करते हुए अदालत ने कहा, यह अनुपालन नहीं है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा,कि हम इस मामले में अपने हाथ खड़े कर रहे हैं, हमारे आदेशों का अनुपालन न करना बहुत हो गया। सुनवाई के दौरान बाबा रामदेव और बालकृष्ण मौजूद रहे।

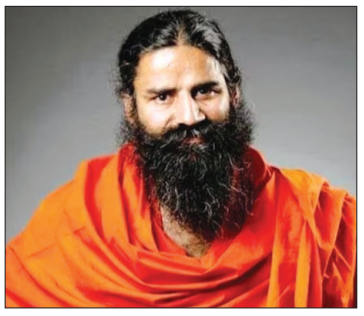

गंभीर मामला, परिणाम भुगतने के लिए रहें तैयार

पीठ ने कहा, पिछली बार जो माफीनामा छापा गया था वो छोटा था और उसमें केवल पतंजलि लिखा था लेकिन दूसरा वाला बड़ा है जिसके लिए हम प्रशंसा करते हैं कि ये बात उनको समझ में आई। आप केवल न्यूज पेपर और उस दिन की तारीख का माफीनामा जमा करें। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आईएमए के अध्यक्ष का बयान रिकॉर्ड पर लाने की बात भी कही। कोर्ट ने कहा कि ये बेहद ही गंभीर मामला है, इसका परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

अगली सुनवाई से मिली छूट

इसके साथ ही अगली सुनवाई में बाबा रामदेव और बालकृष्ण ने पेशी से छूट मांगी। इस पर कोर्ट ने साफ किया कि ऐसा केवल अगली सुनवाई के लिए है। ये कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दोनों को अगली पेशी से छूट दे दी।

फोटो :4 पीएम

हादसा लखनऊ में राजभवन के करीब एक बड़ा हादसा हो गया। महिला कैदी को ले जा रही एक गाड़ी में आग लग गई। आग लगने से वहां पर अफरातफरी मच गई। आग लगी देखकर राहगीरों ने फायर ब्रिगेड को तुरंत इसकी सूचना दी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

आगामी लोस चुनाव नहीं लड़ेंगी प्रियंका!

» सियासी गलियारों में चर्चा

» पूरे देशभर में करेंगी प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रियंका गांधी का मानना है कि अगर वह सिर्फ एक सीट से चुनाव लड़ने के बजाय उत्तर प्रदेश में प्रचार करेंगी तो यह पार्टी के लिए अधिक प्रभावी होगा। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेता के आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है।

ऐसी अटकलें हैं कि राहुल गांधी को अमेठी लोकसभा सीट से मैदान में उतारा जा सकता है। कांग्रेस महासचिव उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस के अनुसार उसने अगले तीन दिनों के लिए चुनाव कार्यक्रम निर्धारित किए हैं - बुधवार को असम में, गुरुवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में। वह 3 मई को उत्तर प्रदेश और गुजरात का दौरा करेंगी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने शनिवार को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा को लोकसभा चुनाव के लिए क्रमशः अमेठी और रायबरेली से मैदान में उतारने का आग्रह किया था, लेकिन सीईसी की बैठक में कोई निर्णय नहीं लिया गया।

स्कॉर्पियो पर पलटा ट्रक छह बारातियों की मौत

» भागलपुर में हुआ बड़ा हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के भागलपुर में खुशियों से भरी एक बारात में अचानक मातम छा गया। यहां 29 अप्रैल की रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें कई बाराती शामिल थे। इस सड़क खाते में चाहिए बारातियों की मौत हुई है और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के मुताबिक सभी लोग स्कॉर्पियो में बैठकर बारात में जा रहे थे।

स्कॉर्पियो में ड्राइवर समेत कुल नौ लोग सवार थे। इस दौरान नेशनल हाईवे 80 पर होगा थाना क्षेत्र के अमरपुर गांव के पास छर्री लदा ट्रक स्कॉर्पियो पर पलट गया। जैसे ही यह हादसा हुआ आसपास हर तरफ हड़कंप मच गया। जो बारात दुल्हन लेने जा रही थी वहां अचानक लाशों के ढेर बिछ गए। घटना से खुशी का माहौल मातम में बदल गया है।

सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के कांकेर में सात नक्सली किये ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कम से कम सात माओवादी मारे गए। कांकेर जिले में सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ के बाद दो महिला कैडरों सहित सात माओवादियों के शव पाए गए। यह टकराव अस्थिर नारायणपुर-कांकेर सीमा पर स्थित अबूझमाड़ के जंगलों में हुआ, जहां रिजर्व पुलिस महानिदेशालय (डीआरजी) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के जवानों ने मंगलवार सुबह संदिग्ध माओवादियों के साथ गोलीबारी की।

एक पुलिस अधिकारी ने एएनआई को बताया, नारायणपुर-कांकेर सीमा क्षेत्र के अबूझमाड़ में आज सुबह से डीआरजी और एसटीएफ के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। अधिकारी ने कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि सभी सुरक्षाकर्मी सुरक्षित हैं और मुठभेड़ अभी भी जारी है।

विपक्ष हताश व निराश हो गया है : शाह

» फर्जी वीडियो को लेकर कांग्रेस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने फर्जी वीडियो को लेकर विपक्ष को घेरा और कहा कि यह कार्रवाई उनकी हताशा और निराशा का परिचायक है। असम के एक कांग्रेस पदाधिकारी को कथित तौर पर अमित शाह का फर्जी वीडियो साझा करने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार गुवाहाटी निवासी 31 वर्षीय रीतम सिंह असम कांग्रेस से जुड़ा है और पार्टी के वॉर रूम कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्य करता है।

विपक्ष, खासकर कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए शाह ने कहा, उनकी (कांग्रेस) हताशा इस स्तर तक पहुंच गई है कि उन्होंने मेरे और कई अन्य भाजपा नेताओं के फर्जी वीडियो फैलाए हैं। मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्ष और अन्य लोगों ने भी ऐसा किया है। इस फर्जी वीडियो को आगे बढ़ाने का काम...आज कांग्रेस पार्टी के एक प्रमुख नेता पर आपराधिक मुकदमा चल रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई उनकी हताशा और निराशा का सूचक है। जब से राहुल गांधी ने कांग्रेस की कमान संभाली है, वह राजनीति के स्तर को नए निचले स्तर पर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं... मेरा मानना है कि फर्जी प्रचार करके जनता का समर्थन हासिल करने की कोशिश की जा रही है।

कांग्रेस सरकार रेवन्ना मामले में करे कार्रवाई

कर्नाटक में जनता दल (सेक्युलर) के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में अब अमित शाह ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम इस मामले की जांच के पक्ष में हैं। हमारे सहयोगी दल जेडीएस ने भी मामले में कार्रवाई करने की बात कही है। जेडीएस सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े अश्लील वीडियो मामले पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीजेपी का रुख स्पष्ट है कि हम देश की मातृ शक्ति के साथ खड़े हैं। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि वहां किसकी सरकार है? सरकार कांग्रेस पार्टी की है। उन्होंने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? हमें इस पर कार्रवाई नहीं करनी है, क्योंकि यह राज्य की कानून व्यवस्था का मामला है, राज्य सरकार को इस पर कार्रवाई करनी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।